[This question paper contains 3 printed pages.]

8696 *आपका अनुक्रमांक* _____

B.A. (Programme) / I **AS**

(L)

HINDI DISCIPLINE – PAPER I

हिन्दी अनुशासन – प्रश्नपत्र I

(हिन्दी कविता, नाटक तथा हिन्दी कविता का प्रवृत्तिगत इतिहास)

समय : 3 घण्टे *पूर्णांक : 100*

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

नोट :- प्रश्नपत्र पर अंकित पूर्णांक SOL/NCWEB/Non-Formal Cell के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं। तथापि ये अंक नियमित कॉलेजों के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में कम होंगे।

1. किन्हीं दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) मेरो मन अनत कहाँ सुख पावै।
जैसे उड़ि जहाज कौ पंछी फिरि जहाज पर आवै॥
कमल नैन कौ छाँड़ि महातम, और देव कौ ध्यावै।
परम गंग कौ छाँड़ि पियासौ, दुरमीत कूप खनावै॥
जिहि मधुकर अंबुज रस चाख्यौ क्यो करील फल खावै।
सूरदास प्रभु कामधेनु तीज छेरी कौन दुहावै॥

(ख) मधुप गुनगुना कर कह जाता कौन कहानी यह अपनी,
मुरझाकर गिर रहीं पत्तियाँ देखो, कितनी आज घनी।
इस गंभीर अनंत नीलिमा में असंख्य जीवन-इतिहास-
यह लो, करते ही रहते हैं अपना व्यंग्य-मीलन उपहास।

P.T.O.

(ग) पेट-पीठ दोनों मिलकर हैं एक,

चल रहा लकुटिया टेक,

मुट्ठी-भर दाने को-भूख मिटाने को

मुँह फटी पुरानी झोली का फैलाता-

दो टूक कलेजे के करता पछताता पथ पर आता। (10,10)

2. सूरदास **अथवा** भवानीप्रसाद मिश्र का साहित्यिक परिचय लिखिए। (10)

3. पाठ्यक्रम में निर्धारित काव्यांशों के आधार पर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) घनानन्द के कवित्त और सवैयों का भाव सौंदर्य बताइए।

(ख) 'सीख वे मुझसे कहकर जाते' कविता के आधार पर यशोधरा के चरित्र का विश्लेषण कीजिए।

(ग) 'सिंदूर तिलकीत भाल' कविता में अभिव्यक्त नागार्जुन की रागात्मक संवेदना स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'भिक्षुक' कविता के आधार पर निराला की यथार्थवादी चेतना पर प्रकाश डालिए। (10,10)

4. किसी **एक** अनुच्छेद की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

मैं यद्यपि तुम्हारे जीवन में नहीं रही, परन्तु तुम मेरे जीवन में सदा बने रहे हो। मैंने कभी तुम्हें अपने से दूर नहीं होने दिया। तुम रचना करते रहे, और मैं समझती रही कि मैं सार्थक हूँ, मेरे जीवन की भी कुछ

उपलब्धि है। आज तुम मेरे जीवन को इस तरह निरर्थक कर दोगे ? तुम जीवन से तटस्थ हो सकते हो, परन्तु मैं तो अब तटस्थ नहीं हो सकती।

अथवा

तुम जिसे भावना कहती हो वह केवल छलना और आत्म-प्रवंचना है। .... भावना में भावना का वरण किया है !.... मैं पूछती हूँ भावना में भावना का वरण क्या होता है ? उससे जीवन की आवश्यकताएँ किस तरह पूरी होती हैं ? .... भावना में भावना का वरण ! (10)

5. कालिदास अथवा विलोम की चारित्रिक विशेषताओं का विश्लेषण कीजिए।

अथवा

अभिनेयता की दृष्टि से 'आषाढ़ का एक दिन' की सफलता पर विचार व्यक्त कीजिए। (15)

6. (क) आदिकाल अथवा सूफ़ी काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए। (13)

(ख) छायावाद अथवा प्रगतिवाद की प्रमुख विशेषताओं का विवेचन कीजिए। (12)